"कंठस्थ" अनुवाद टूल पर पांच दिवसीय राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा दिनांक 08.07.2024 से 12.07.2024 तक "कंठस्थ" अनुवाद टूल पर पांच दिवसीय अभ्यास आधारित हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्घाटन दिनांक 08.07.2024 को मुख्यालय के बोर्ड रूम में किया गया जहाँ प्रतिभागियों को "कंठस्थ" अनुवाद टूल की उपयोगिता एवं प्रयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला का प्रशिक्षण सत्र वन अनुसंधान संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जी.आई.एस. शाखा के कंप्यूटर लैब में किया जा रहा है । इस कार्यशाला में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के 24 अधिकारी/कर्मचारी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला के उदघाटन सत्र में डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) ने अपने सम्बोधन में कार्यालयी गतिविधियों में अनुवाद की उपयोगिता और अनुवाद की लगातार बढ़ ती मांग के बारे में बात की तथा परिषद के अंतर्गत संस्थानों में राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु किये जाने वाले विभिन्न गतिविधियों के बारे में भी बताया। इससे पूर्व भी परिषद् द्वारा "कंठस्थ" विषय पर दिनांक 27 से 29 मई, 2024 तक एक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी जिसको सभी ने सराहा था। इसी क्रम में ज्यादा से ज्यादा लोगों को कंठस्थ के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। उन्होंने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और आशा व्यक्त किया कि कार्यशाला से सभी अवश्य लाभान्वित होंगे। कार्यशाला का संचालन करते हुए श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने कंठस्थ अनुवाद टूल से सबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की एवं इसकी उपयोगिता से सभी को अवगत कराया। इसके अतिरिक्त सभी को कंठस्थ के व्यावहारिक पक्षों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। व्यावहारिक प्रशिक्षण देने में श्री सागर थापा , तकनीशियन का भी सहयोग रहा।

कार्यशाला की कुछ झलकियां